

आनंद मंगलाचार,  
सिंगाजी घर,  
आनन्द मंगलाचार ॥

निर्गुण का गुण,  
कसा हम गावा रे,  
गुण को अंत नी पार,  
सिंगाजी घर,  
आनन्द मंगलाचार ॥

ज्ञान गंगा की निर्मल धारा,  
सत्संग होय दिनरात,  
सिंगाजी घर,  
आनन्द मंगलाचार ॥

होत भंडारा नित का नया रे,  
पावां छे महापरसाद,  
सिंगाजी घर,  
आनन्द मंगलाचार ॥

आनंद मंगलाचार,  
सिंगाजी घर,  
आनन्द मंगलाचार ॥

प्रेषक प्रमोद पटेल ।  
यूट्यूब पर 1.निमाड़ी भजन संग्रह ।  
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा  
9399299349

<https://youtu.be/fnlv2lTcI40>

Source: <https://www.bharattemples.com/aanand-manglachar-singaji-ghar-bhajan/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App  
<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>